प्रश्न-अभ्यास (लेखा-जोखा)

शब्दार्थ: व्यापक :विस्तृत |कूच : किसी स्थान के लिए किया जाने वाला प्रस्थान |सांप्रदायिक: संप्रदाय संबंधी |सद्भाव: शुभ और अच्छा भाव | संवेदनशील : संवेदना | मकतब: इस्लाम धर्म की एक शिक्षा- दीक्षा की पाठशाला| छापामार- अचानक या एकाएक किसी पर आक्रमण करना| विजय :पताका जीत का परचम |रणनीति :योजना, कूटनीति | राजवाड़ा : देशी रियासत | :मुक्ति वाहिनी गुलामी की बेड़ियों से मुक्त होने के लिए किए गए आंदोलन का नाम| बागी: बगावत करने वाला |जयघोष: जय ध्वनि, विजय का ढिंढोरा|

प्रश्न १. हमारे यहाँ बहुत से काम लोग खुद नहीं करके किसी पेशेवर कारीगर से करवाते हैं। गांधी जी छेनी, हथौड़े, बसूले क्यों खरीदना चाहते होंगे?

उत्तर- यह सत्य है कि हमारे यहाँ अर्थात् भारत में बहुत से काम लोग खुद न करके किसी पेशेवर कारीगर से करवाते हैं। गांधी जी छेनी, हथौड़े, वसूले इसलिए खरीदना चाहते होंगे ताकि लोग कुटीर उद्योग, लुहार व बढ़ईगिरी आदि को बढ़ावा दें। आत्मनिर्भर बनें व छोटे-छोटे कामों के लिए दूसरों का मुँह न ताकें।।

प्रश्न 2.गांधी जी ने अखिल भारतीय कांग्रेस सहित कई संस्थाओं व आंदोलनों का नेतृत्व किया। उनकी जीवनी या उन पर लिखी गई किताबों से उन अंशों को चुनिए जिनसे हिसाब-किताब के प्रति गांधी जी की चुस्ती का पता चलता है।

उत्तर- गांधी जी कोई भी कार्य बिना हिसाब किताब के नहीं करते थे। वे प्रत्येक विषय के प्रति नकारात्मक व सकारात्मक सोच बराबर रखते थे। निम्न उदाहरणों द्वारा इस वक्तव्य को स्पष्टता दे सकते हैं-

1. 'दांडी यात्रा' के लिए गाँधी जी जब 'रास' नामक स्थान पर पहुँचे तो वहाँ निषेधाज्ञा लागू थी अर्थात कोई भी नेता किसी प्रकार के विचार जलूस-जलसे के रूप में नहीं प्रकट कर सकता था। गांधी जी तो लोगों को संबोधित किए बिना रह नहीं सकते थे तो पहले ही यह योजना बना ली गई कि यदि उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया तो अब्बास तैयबजी दांडी यात्रा का नेतृत्व करेंगे।
2. असहयोग आंदोलन के समय भी वे यह हिसाब लगाने में पूर्णतया सक्ष्म थे कि किस स्थान पर किस तरह से ब्रिटिश शासन पर प्रहार करना है। यही कारण था कि लोग उनके हर विचार की कद्र करते थे और उनका कहा पूरी तरह से मानते थे। |
3. वे बिल्कुल भी फिजूल खर्च न करते थे एक-एक पैसा सोच समझकरे खर्च करते थे यहाँ तक कि कई बार तो पच्चीस-पच्चीस किलोमीटर एक दिन में पैदल चलते थे। उनका मानना था कि धन को जरूरी कामों के लिए ही खर्च करना चाहिए। शानो-शौकत या वैभवपूर्व जीवन जीने के लिए नहीं।
4. किसी भी आश्रम या सभा का हिसाब-किताब वे बहुत कुशलता से लगाते थे। साबरमती आश्रम में भी उन्होंने ऐसा बजट बनाया कि आने वाले मेहमानों के खर्च भी उसमें शामिल किए गए।

प्रश्न 3 मान लीजिए, आपको कोई बाल आश्रम खोलना है। इस बजट से प्रेरणा लेते हुए उसको अनुमानित बजट बनाइए। इस बजट में दिए गए किन-किन मदों पर आप कितना खर्च करना चाहेंगे। किन नई मदों को जोड़ना-हटाना चाहेंगे?

उत्तर-छात्र इस पाठ से उदाहरण लेकर बाल आश्रम के लिए आवश्यक चीज़ों और उनके अनुमानित-खर्च का बजट तैयार करें।

प्रश्न 4. आपको कई बार लगता होगा कि आप कई छोटे-मोटे काम (जैसे- घर की पुताई, दूध दुहना, खाट बुनना) करना चाहें तो कर सकते हैं। ऐसे कामों की सूची बनाइए जिन्हें आप चाहकर भी नहीं सीख पाते। इसके क्या कारण रहे होंगे उन कामों की सूची भी बनाइए, जिन्हें आप सीख कर ही छोड़ेंगे?

उत्तर- हमारे जीवन में ऐसे बहुत से काम होते हैं जिसे हम चाहकर भी नहीं सीख पाते; जैसे- घर पुताई सफ़ेदीवाला करता है, दूधवाला दूध देता है और खाट (चारपाई) बुननेवाले से बुनवाई जाती है। कुछ ऐसे ही निम्न कार्य हैं, मैं चाहकर भी सीख नहीं पाता; जैसे

कार्य	कारण
रोटी बनाने का कार्य	लगन की कमी
सिलाई करने का काम	सिखानेवाला नहीं मिला

प्रश्न 5.इस अनुमानित बजट को गहराई से पढ़ने के बाद आश्रम के उद्देश्यों और कार्यप्रणाली के बारे में क्या-क्या अनुमान लगाए जा सकते हैं?

उत्तर-अनुमानित बजट को गहराई से अध्ययन करने के बाद हम आश्रम के उद्देश्यों को भलीभाँति समझ सकते हैं स्वावलंबन की भावना का विकास करना, अतिथि सत्कार करना, जरूरतमंदों को आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करना, बेकार लोगों को आजीविका प्रदान करना, श्रम का महत्त्व समझना, कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना, चरखे खादी आदि से स्वदेशी आंदोलन को बढ़ावा देना। सहयोग की भावना का विकास। इस आश्रम की कार्य प्रणाली का मुख्य आधार आत्मनिर्भरता है।

भाषा की बात

प्रश्न 1.दिए गए शब्दों में मूल शब्द पहचानकर लिखिए|

प्रमाणित व्यथित द्रवित मुखरित झंकृत शिक्षित मोहित चर्चित मौखिक संवैधानिक प्राथमिक नैतिक पौराणिक दैनिक

उत्तर- **इत प्रत्यय युक्त शब्द**

मूल शब्द प्रत्यय	मूल शब्द प्रत्यय	मूल शब्द प्रत्यय
प्रमाणित -प्रमाण + इत	झंकृत- झंकार + इत	व्यथित-व्यथा + इत
द्रवित-द्रव + इत	मुखरित -मुखर + इत	शिक्षित-शिक्षा + इत

प्रश्न 2. तत्पुरुष समास के छह उदाहरण लिखिए|

उत्तर -राहखर्च राह के लिए खर्च तुलसीकृत तुलसी द्वारा कृत गंगाजल गंगा का जल क्रीडाक्षेत्र क्रीड़ा के लिए क्षेत्र घुड़सवार घोड़े पर सवार वनवास वन में वास

SUB.TEACHER HOD CO ORDINATOR PRINCIPAL